आठवीं योजना अवधि के दौरान 580 लाख लोगों को रोजगार प्रदान किया जाना

985. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2002 के लिये निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतू देश में आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक 589 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करना होगा;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 580 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिये आठवी पंचवर्षीय योजना के दौरान रोजगार के अवसरों में प्रतिवर्ष 4 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक होगी ; और

(ग) यदि नही, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान अभी तक विगत वर्षों में रोजगार के अवसरों की वृद्धि दर कितनी रही है ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमंग): (क) से (ग) जी, नहीं । वर्ष 2002 तक पूर्ण रोजगार की स्थिति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 43 मिलियन अतिरिक्त रोजगार अवसरों की आवश्यकता होगी । इसका निहितार्थ है कि प्रतिवर्ष लगभग 2.6 प्रतिशत से 2.8 प्रतिशत की रोजगार वृद्धि दर हो । योजना के प्रथम तीन वर्षों में लगभग 19.6 बिलियन अतिरिक्त रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है ।

पूंजी-निवेश में वृद्धि

986. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या योजना और कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विगत कुछ वर्षों में पूंजी-निवेश की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि भारी विदेशी व स्वदेशी पूंजी निवेश के बावजूद परियोजनाओं के कार्यान्वयन में निरन्तर कमी आयी है; और

(ग) यदि नही, तो वर्ष 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 के दौरान स्वीकृत पूंजी-निवेश की मात्रा क्या थी तथा परियोजनाओं के निर्माणार्थ कुल कितनी पूंजी का निवेश किया गया था?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमंग): (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान कार्यान्वयनाधीन रही 20 करोड़ रु० और उससे अधिक लागत वाली केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों की परियोजना के व्यय में वृद्धि हुई है । पिछले तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र में 20 करोड़ रु० से अधिक लागत वाली लगभग 158 नई परियोजनाओं को कार्यान्वयन हेतु हाथ में लिया गया ।

(ग) जोड़ी गई नई परियोजनाओं और वर्ष 1991-92, 1992-93 तथा 1993-94 के दौरान चल रही सभी परियोजनाओं पर किये गये व्यय का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।

विवरण

पूंजीगत निवेश और व्यय

वर्ष	जोड़ी गई नई परियोजनायें	चल रही परियोजनायें		
	संख्या	अनुमोदित लागत (करोड़ रु०)	परियोजनाओं की संख्या	सभी निर्माण परियोजनाओं पर व्यय (करोड़ रु०)
1	2	3	4	5
1991-92	46	15261.37	309	8438.8
1992-93	58	19227.27	353	10296.1
1993-94	54	10909.12	371	15748.9
योग :	158	45,397.76	योग	34483.8

Investment in public and private sectors

987. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SARDA MOHANTY:

Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what is the quantum of investment actually occured in the last three years on projects completed and on going projects in public and private sectors;

(b) what is the number of jobs created in public and private sector during last three years; and

(c) what is the estimated backlog of unemployment, current inflow and absorption rate of employment?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI GIRIDHAR GAMANG): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Funds released under MPs locad area Development Scheme

988. SHRI S. S. SURJE WALA: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) what is the total amount released by Government of India, Statewise under the MPs Local Area Development Fund Scheme during 1994-95 and what is the utilisation portion of this money: